CORONA-SAMADHAN: BHARATIYA CHIKITSA PADDHATI

REPORT ON NATIONAL WEBINAR
8TH MAY,2021

DEPARTMENT OF HISTORY

ORGANIZED BY

DEPARTMENT OF HISTORY

FACULTY OF HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
(INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION
DEEMED TO BE UNIVERSITY)
SARDARSHAHR, CHURU, RAJASTHAN – 331403

IN COLLABORATION WITH

SHIKSHA SANSKRITI UTTHAN NYAS
NEW DELHI.JAIPUR PRANT

इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय), सरदारशहर
एवं
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, प्रान्त-जयपुर
का संयुक्त आयोजन
राष्ट्रीय वेबीनार
8 मई, 2021;
सांय - 4 बजे
IASE
विषय - कोरोना - समाधान; भारतीय चिकित्सा पद्दति
मुख्य अतिथि
वक्ता
विशिष्ट अतिथि
प्रो. बलदेव कुमार
कुलपति, श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय
कुरुक्षेत्र
श्री हिमांशु दूगड़
अध्यक्ष, गांधी विद्या मंदिर
सरदारशहर, चूरू
आयोजन अध्यक्ष
श्री दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
क्षेत्र संरक्षक, SSUN
राजस्थान
आयोजन संरक्षक
प्रो. देवेंद्र मोहन
Pro. V.C., IASE
सरदारशहर
आयोजक
श्री नितिन कासलीवाल
प्रान्त संयोजक, SSUN
जयपुर
डॉ. अविनाश पारीक
विभागाध्यक्ष एवं डीन(FHSS)
IASE, सरदारशहर
आयोजन संचालक
डॉ. मनमोहन सिंह
SSUN
जयपुर प्रान्त
संपर्क सूत्र
डॉ. युद्धवीर सिंह
SSUN
(7976973714)
सुश्री दीपिका सिंह
IASE
(9804043850)
LIVE

इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दिल्ली (जयपुर प्रान्त) के संयुक्त तत्वावधान में

आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

''कोरोना–समाधान : भारतीय चिकित्सा पद्धति''

दिनांक : 08 मई, 2021 **समय : सांयकाल 04:00 बजे**

कार्यक्रम अनुसूची

क्र.सं.	समय	कार्यक्रम का विवरण
1.	04:00 से 04:05	दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वन्दना
2.	04:05 से 04:09	संस्था की दैनिक प्रार्थना
3.	04:09 से 04:15	अतिथियों का परिचय एवं स्वागत सम्भाषण डॉ. अविनाश पारीक, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
4.	04:15 से 04:20	विषय की प्रस्तावना एवं संयोजन श्री नितिन कासलीवाल, संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास,जयपुर प्रान्त
5.	04:20 से 05:00	तकनीकी सत्र – I मुख्य अतिथि उद्धबोधन – प्रो. बलदेव कुमार, कुलपति ,श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
6.	05:00 से 05:45	तकनीकी सत्र – II मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट अतिथि – श्री हिमांशु दूगड़, अध्यक्ष, गांधी विद्या मन्दिर
7.	05:45 से 06:00	प्रश्नोत्तरी सत्र एवं परिचर्चा
8.	06:00 से 06:05	अध्यक्षीय उद्धबोधन – डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, क्षेत्र संरक्षक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, राज.
9.	06:05 से 06:10	धन्यवाद एवं आभार – संयोजक संरक्षक प्रो. देवेन्द्र मोहन, कुलपति, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
10.	06:10 से 06:13	शान्ति पाठ (वैदिक मंत्र द्वारा)

इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दिल्ली (जयपुर प्रान्त) के संयुक्त तत्वावधान में

आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

''कोरोना–समाधान : भारतीय चिकित्सा पद्धति''

राष्ट्रीय वेबिनार का प्रतिवेदन

विहंगावलोकन

इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), सरदारशहर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, जयपुर प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में ''कोरोना–सामाधानः भारतीय चिकित्सा पद्धति'' विषय पर दिनांक 08 मई, 2021 को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन आभासी माध्यम से किया गया। इस वेबिनार मे देश के 18 प्रान्तों के लगभग 601 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वेबिनार में दो तकनीकी सत्रों के माध्यम से विषय विशेषज्ञों ने विषयवस्तु पर गहन चर्चा की।

राष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, राजस्थान के क्षेत्र संरक्षक एवं स्वायत्त शिक्षा के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संकाय के संगीत विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र सैनी एवं सुनील सैनी ने सरस्वती वन्दना एवं संस्था की दैनिक प्रार्थना के माध्यम से कार्यक्रम प्रारम्भ किया। वेबिनार के निदेशक एवं मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश पारीक ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत संभाषण प्रस्तुत किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली जयपुर प्रान्त के संयोजक श्री नितिन कासलीवाल ने विषय की प्रस्तावना रखी एवं कार्यक्रम का संयोजन किया।

राष्ट्रीय वेबिनार का विस्तृत विवरण

प्रथम तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय वेबिनार के प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य अतिथि श्री कृष्णा आयुर्वेद विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र (हरियाणा) के कुलपति माननीय प्रो. बलदेव कुमार ने अपने उद्बबोधन में वैदिक काल के शास्त्रों में वर्णित आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा पद्धति को कोरोना काल में वरदान बताया। आज का मानव सभी प्रकार की चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग करने के बाद आयुर्वेद की शरण में आता हैं। आयुर्वेद ऋतुचर्या, शरीर की वात, पित्त, कफ एवं प्रकृति के साथ–साथ आहार–विहार पर संयम की बात करता है। कोरोना काल में घरेलू चिकित्सा उपायों के द्वारा आज भी मानव स्वस्थ रह सकता हैं। आज भी कोरोना के संक्रमण से पीड़ित रोगियों का आयुर्वेद के माध्यम से सफल इलाज हो रहा हैं।

द्वितीय तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय वेबिनार के द्वितीय तकनीकी सत्र में विशिष्ठ अतिथि गांधी विद्या मन्दिर के अध्यक्ष माननीय श्री हिमांशु दूगड़ ने अपने उद्बबोधन में आयुर्वेद को भारतीय चिकित्सा पद्धति का जनक बताते हुए कहा कि जब ऐलोपैथी में रोगी का इलाज सम्भव नहीं होता है तब वह आयुर्वेद को अपनाता है। इस कोरोना काल में आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय, गांधी विद्या मन्दिर की रसायन शाला ने जीवनोरक्षक इम्यूनिटी बूस्टर सर्वज्वरहर क्वाथ का निर्माण कर सर्व सुख के लिए इसे सम्पूर्ण भारत मे निःशुल्क वितरित किया। यहाँ के कोविड केयर सेन्टर में भर्ती रोगियों को हमारे आयुर्वेद चिकित्सकों ने काढ़ा एवं शुभ्रा भस्म के कैप्सूल का सेवन कराकर बुखार, गले एवं फेफड़ों का संक्रमण तथा खांसी को दूर कर अतिशीध्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया। इस प्रकार कोरोना काल में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में ही फेफड़ों के संक्रमण का निदान एवं उपचार हैं।

प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएँ शान्त की। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, राजस्थान क्षेत्र के संरक्षक डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने में आयुर्वेद जीवन पद्धति को भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर बताया। आयोजन संरक्षक एवं उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), सरदारशहर के कुलपति माननीय प्रो. देवेन्द्र मोहन ने विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना काल में किये जा रहे जन–जागरूकता के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। शान्तिपाठ के द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन संचालन डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. युद्धवीर सिंह, सुश्री दीपिका सिंह एवं श्री शान्ति प्रकाश दूगड़ ने तकनीकी सहयोग किया।

SOME GLIMPSES
OF NATIONAL WEBINAR(8MAY,2021)

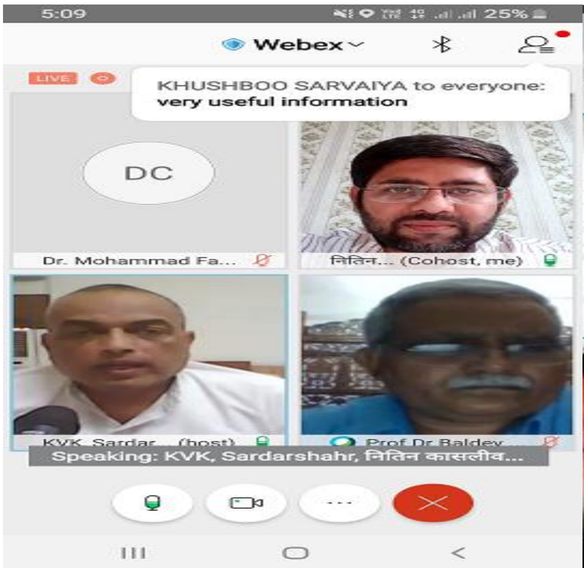

(इतिहास विभाग) उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गाँधी विद्या मंदिर, सरदारशहर
एवं
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली (प्रान्त- जयपुर)

IASE

राष्ट्रीय वेबिनार

प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ./श्री/श्रीमती/कुमारी Dr.Rama Sharma, IASE Deemed to be University Sardarshahar ने दिनांक – 08 मई, 2021 को "कोरोना - समाधान: भारतीय चिकित्सा पद्धति" के विषय पर आयोजित हुए राष्ट्रीय वेबिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्रो. देवेंद्र मोहन	डॉ. अविनाश पारीक	नितिन कासलीवाल	डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
कुलपति	अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामा. विज्ञान संकाय	प्रान्त संयोजक	क्षेत्र संरक्षक
IASE (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर	IASE (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर	शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास (प्रान्त- जयपुर) नई दिल्ली	शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, राजस्थान नई दिल्ली

NEWS PAPER CUTTINGS

07 राजस्थान पत्रिका patrika.com
चूरू, सोमवार, 10 मई, 2021
सरदारशहर, रतनगढ़, सादुलपुर
पत्रिका डिजिटल कनेक्ट

कोरोना संक्रमण रोकने में

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति कारगर

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सरदारशहर. इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, प्रांत जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कोरोना -समाधान भारतीय चिकित्सा पद्धति विषय पर आभासी माध्यम से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का शुभारंभ सुनील एवं जितेंद्र सैनी ने किया।

उद्घाटन सत्र में वेबीनार के संयोजक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा.अविनाश पारीक ने अतिथियों का परिचय किया। अध्यक्षता करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के क्षेत्रीय संरक्षक डा.दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने न्यास के विविध विषयों एवं कार्यों की जानकारी दी। वेबीनार के प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

सरदारशहर के गांधी विद्या मंदिर में आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार को संबोधित करते संस्था अध्यक्ष हिमांशु दूगड़।

बलदेव कुमार ने अपने उद्बोधन में वैदिक काल के शास्त्रों में आयुर्वेद को प्राचीन चिकित्सा पद्धति बताते हुए हर परिस्थिति एवं महामारी के काल में प्रासंगिक बताया।

वेबीनार के द्वितीय सत्र में विशिष्ट अतिथि गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ ने कहा कि जब एलोपैथी में रोगी का इलाज नहीं होता है तब वह आयुर्वेद की शरण में आता है।

इसमें भारत के विविध प्रांतों से सिस्को वेब एवं यूट्यूब पर 560 प्रतिभागियों ने सहभागिता निभाई। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने अतिथि वक्ताओं से प्रश्न पूछ कर जिज्ञासा शांत की। आयोजन संरक्षक आईएएसई मानित विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो.देवेंद्र मोहन ने विश्वविद्यालय के द्वारा कोरोना काल में किए जा रहे जन जागरूकता के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जयपुर प्रांत के संयोजक एवं वेबीनार के समन्वयक एडवोकेट नितिन कासलीवाल ने न्यास की तरफ से धन्यवाद देते हुए आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और वेबीनार का सफल संचालन किया।

डा.मनमोहन सिंह, डा.युद्धवीर सिंह, दीपिका सिंह एवं शांतिलाल दूगड़ ने तकनीकी एवं वेबीनार के सफल संचालन में सहयोग किया।

कोरोना काल में संक्रमण रोकने में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति ही कारगर– प्रोफेसर बलदेव कुमार

मरूधर बुलेटिन

सरदारशहर (कुलदीप राव)। इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, प्रांत जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कोरोना - समाधान ़ भारतीय चिकित्सा पद्धति विषय पर आभासी माध्यम से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में वेबीनार के संयोजक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ अविनाश पारीक ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए वेबीनार के विषय पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के क्षेत्रीय संरक्षक डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने न्यास के विविध विषयों एवं कार्यों को बताते हुए कोरोना संक्रमण को रोकने में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वेबीनार के प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय

के कुलपति प्रो. बलदेव कुमार ने अपने उद्बोधन में वैदिक काल के शास्त्रों में आयुर्वेद को प्राचीन चिकित्सा पद्धति बताते हुए हर परिस्थिति एवं महामारी के काल में प्रासंगिक बताया। वेबीनार के द्वितीय सत्र में विशिष्ट अतिथि गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ ने अपने उद्बोधन में आयुर्वेद को भारतीय चिकित्सा पद्धति का जनक बताते हुए कहा कि जब एलोपैथी में रोगी का इलाज नहीं होता है तब वह आयुर्वेद की शरण में आता है। इस प्रकार कोरोनाकाल में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में ही फेफड़ों के संक्रमण का निदान एवं उपचार है। इसमें भारत के विविध प्रांतों से सिस्को वेब एवं यूट्यूब पर 560 प्रतिभागियों ने सहभागिता निभाई। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने अतिथि वक्ताओं से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की। आयोजन संरक्षक आईएएसई मानित विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो.देवेंद्र मोहन ने विश्वविद्यालय के द्वारा कोरोना काल में किए जा रहे जन जागरूकता के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जयपुर प्रांत के संयोजक एवं वेबीनार के समन्वयक एडवोकेट नितिन कासलीवाल ने न्यास की तरफ से धन्यवाद देते हुए आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और वेबीनार का सफल संचालन किया। डॉ मनमोहन सिंह, डॉ. युद्धवीर सिंह, सुश्री दीपिका सिंह एवं शांति लाल दूगड़ ने तकनीकी एवं वेबीनार के सफल संचालन में सहयोग किया।

कोरोना काल में संक्रमण रोकने में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति ही कारगर - प्रोफेसर बलदेव कुमार

सरदारशहर (अविनाश पारीक) इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, प्रांत जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कोरोना -समाधान = भारतीय चिकित्सा पद्धति विषय पर आभासी माध्यम से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का शुभारंभ सुनील एवं जितेंद्र सैनी के द्वारा संगीतमय सरस्वती वंदना से हुई। उद्घाटन सत्र में वेबीनार के संयोजक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ अविनाश पारीक ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए वेबीनार के विषय पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के क्षेत्रीय संरक्षक डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने न्यास के विविध विषयों एवं कार्यों को बताते हुए कोरोना संक्रमण को रोकने में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वेबीनार के प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव कुमार ने अपने उद्बोधन में वैदिक काल के शास्त्रों में आयुर्वेद को प्राचीन चिकित्सा पद्धति बताते हुए हर परिस्थिति एवं महामारी के काल में प्रासंगिक बताया। आज का मानव सभी प्रकार की चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग करने के बाद आयुर्वेद की शरण में आता है। आयुर्वेद ऋतुचर्या शरीर की बात, पित्त, कफ एवं प्रकृति के साथ-साथ आहार-विहार पर संयम की बात करता है। कोरोना काल में घरेलू चिकित्सा उपायों के द्वारा आज भी मानव स्वस्थ रह सकता है। आज भी कोरोना रोगियों का आयुर्वेद के माध्यम से सफल इलाज हो रहा है। वेबीनार के द्वितीय सत्र में विशिष्ट अतिथि गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ ने अपने उद्बोधन में आयुर्वेद को भारतीय चिकित्सा पद्धति का जनक बताते हुए कहा कि जब एलोपैथी में रोगी का इलाज नहीं होता है तब वह आयुर्वेद की शरण में आता है। इस कोरोना काल में आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर की रसायनशाला ने जीवनोरक्षक इम्यूनिटी बूस्टर सरज्वरहर क्वाथ का निर्माण कर सर्व सुख के लिए इसे संपूर्ण भारत में निःशुल्क वितरण किया। यहां के कोविड केयर सेंटर में भर्ती रोगियों को हमारे आयुर्वेद चिकित्सकों ने काढ़ा एवं शुभ्रा भस्म के कैप्सूल का सेवन करा कर बुखार, गले एवं फेफड़ों का संक्रमण तथा खांसी को दूर कर अति शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया। इस प्रकार कोरोनाकाल में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में ही फेफड़ों के संक्रमण का निदान एवं उपचार है ।इसमें भारत के विविध प्रांतों से सिस्को वेब एवं यूट्यूब पर 560 प्रतिभागियों ने सहभागिता निभाई। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने अतिथि वक्ताओं से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की। आयोजन संरक्षक आईएएसई मानित विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो.देवेंद्र मोहन ने विश्वविद्यालय के द्वारा कोरोना काल में किए जा रहे जन जागरूकता के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ,जयपुर प्रांत के संयोजक एवं वेबीनार के समन्वयक एडवोकेट नितिन कासलीवाल ने न्यास की तरफ से धन्यवाद देते हुए आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और वेबीनार का सफल संचालन किया। डॉ मनमोहन सिंह, डॉ. युद्धवीर सिंह ,सुश्री दीपिका सिंह एवं शांति लाल दूगड़ ने तकनीकी एवं वेबीनार के सफल संचालन में सहयोग किया।

कोरोना काल में संक्रमण रोकने में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति ही कारगर

समर सहारा

सरदाशहर/मुन्नालाल राव। भारतीय चिकित्सा पद्धति विषय पर आभासी माध्यम से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का शुभारंभ सुनील एवं जितेंद्र सैनी के द्वारा संगीतमय सरस्वती वंदना से किया गया। उद्घाटन सत्र में वेबीनार के संयोजक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ अविनाश पारीक ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए वेबीनार के विषय पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के क्षेत्रीय संरक्षक डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने न्यास के विविध विषयों एवं कार्यों को बताते हुए कोरोना संक्रमण को रोकने में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वेबीनार के प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव कुमार ने अपने उद्बोधन में वैदिक काल के शास्त्रों में आयुर्वेद को प्राचीन चिकित्सा पद्धति बताते हुए हर परिस्थिति एवं महामारी के काल में प्रासंगिक बताया।